BSES

कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए बीएसईएस ने कमर कसी

मुख्यमंत्री ने किया अक्षरधाम ग्रिड स्टेशन का शिलान्यास

- **40 करोड़ रूपये की लागत से बनेगा ग्रिड, स्काडा से संचालित होगी पूरी व्यवस्था**
- **12 महीने के रेकॉर्ड समय के भीतर तैयार हो जाएगा यह 66/11 केवी ग्रिड**
- **पूरे कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज कॉम्प्लेक्स की बिजली की जरूरतों को पूरा करेगा**
- **ग्रिड व गेम्स कॉम्प्लेक्स में 20 किलोमीटर से भी लंबी तारें बिछाई जाएंगी**

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 2009। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने आज कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज परिसर में, बीवाईपीएल के ग्रिड स्टेशन का शिलान्यास किया। शिलान्यास समारोह में दिल्ली के वित्त व शहरी विकास मंत्री डॉ एके वालिया, पूर्वी दिल्ली के सांसद श्री संदीप दीक्षित, विधायक श्री नसीब सिंह और प्रिंसिपल सेकेटरी (पावर) श्री राजेंद्र कुमार भी मौजूद थे। इस 66/ 11 केवी ग्रिड स्टेशन को 12 महीने के रेकॉर्ड समय में तैयार कर लिया जाएगा। यह ग्रिड पूरे कॉमन वेल्थ गेम्स परिसर की बिजली की जरूरतों को पूरा करेगा और गेम्स के दौरान वहां निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

इस मौके पर ओलिंपियन गुरबचन सिंह रंधावा और अजित पाल सिंह भी मौजूद थे। रंधावा एक जानेमाने एथलीट हैं, जिन्होंने टोक्यो ओलिंपिक्स सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वह अर्जुन अवॉर्ड और पद्मश्री अवॉर्ड के विजेता रह चुके हैं।

शिलान्यास के मौके पर मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने कहा– कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 दिल्ली को दुनिया के केंद्र में ला खड़ा करेंगे। सभी देशों की निगाहें हम पर होंगी। ये गेम्स हमारे लिए एक ऐसा मौका लेकर आएंगे, जहां हम अपनी उपलब्धियों व क्षमताओं को दरशा सकें। और, इन सब में बिजली की निर्बाध आपूर्ति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बीएसईएस के चेयरमैन श्री ललित जालान का कहना था– इस स्टेट ऑफ द आर्ट ग्रिड पर 40 करोड़ रूपये की लागत आएगी और यह खास तौर पर, कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज कॉम्प्लेक्स की बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा। बीएसईएस इलाके के अन्य ग्रिड स्टेशनों की तरह, इस ग्रिड को भी सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (स्काडा) से जोड़ा जाएगा और कालकाजी स्थित कंपनी के सेंट्रल कंट्रोल रूम से ऑपरेट किया जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि शिकायतों व ब्रकडाउनों पर जल्द से जल्द काम शुरू कर उन्हें ठीक किया जाएगा। श्री जालान ने कहा कि हालांकि ग्रिड के तैयार होने की समय–सीमा मार्च 2010 है, लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि हम साल 2009 के खत्म होते–होते ग्रिड को तैयार कर लेंगे।

सीईओ श्री अरूण कंचन ने कहा कि हालांकि इस ग्रिड की क्षमता 25 एमवीए होगी, लेकिन गेम्स कॉम्प्लेक्स में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, हम वहां 25 एमवीए के दो ट्रांसफॉर्मर लगाने की योजना बना रहे हैं। इन में से एक ट्रांसफॉर्मर मुख्य रूप से काम करेगा, जबकि दूसरा बैकअप के तौर पर रहेगा। श्री कंचन ने कहा कि ऐसा आपात स्थितियों से निबटने के लिए किया जा रहा है। उनके मुताबिक– यदि किसी कारणवश मुख्य ट्रांसफॉर्मर फेल हो जाता है, तो ऐसे में, बैकअप के तौर पर काम कर रहा ट्रांसफॉर्मर मोर्चा संभाल लेगा और बिजली की आपूर्ति में बाधा नहीं पड़ेगी।

बीएसईएस के एक अधिकारी ने बताया कि इस ग्रिड को बनाने और गेम्स विलेज कॉम्प्लेक्स में बिजली देने के लिए वितरण कंपनी 20 किलोमीटर से भी अधिक लंबी तारें बिछाएगी। सच तो यह है कि कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति की चुतौतियों से निबटने के लिए बीएसईएस लगातार अपने सिस्टम को अपग्रेड कर रही है।

दरअसल, अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस ग्रिड स्टेशन को खूबसूरत अंदाज में सजाया–संवारा जाएगा और हरियाली पर खास ध्यान दिया जाएगा। चूंकि यह ग्रिड स्टेशन गेम्स विलेज कॉम्प्लेक्स के अंदर होगा, ऐसे में ग्रिड परिसर को इस तरह संवारा जाए कि वह गेम्स कॉप्लेक्स के आर्किटेक्चर से मेल खाए।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, एक महत्पूर्ण भागीदारी सहयोगी व शेयरधारक होने के नाते, बीएसईएस कॉमनवेल्थ गेम्स– 2010 को सफल बनाने के लिए कमर कस चुकी है और वे तमाम उपाय कर रही है जिनसे गेम्स के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। कंपनी के पास स्काडा व ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) जैसी अत्याधुनिक तकनीकें हैं, जो गेम्स के दौरान बिजली व्यवस्था को सुचारू रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870/ 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642/ 9350130304